

कृष्णा मालक कोठी श्रीरामगत
१० दिनकृ सद्युनाम सुमेधार

— विभासै मात्रिकृद्वयान्

— देवदारवल्लभान् ॥ ६६९

— विभासै — विभासै

— विभासै — विभासै — विभासै

६६९ विभासै = (१०)

— विभासै गुप्त

६६९ विभासै गुप्त

६६९ विभासै गुप्त

— विभासै गुप्त

६६९ विभासै गुप्त

— Joint Project of the Shodhan Mandal, Dhule and the Yashvantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai.

(५)

(६)

ବ୍ୟାଙ୍ଗନ ମିଳ

(G)

३५८

~~— श्रावणिकर्मसंग्रह~~

~~Journal~~ ~~and~~ ~~testimony~~

σταθιτο—
a stodha

— दासीम
Dawadi S

—
—

Digitized by srujanika@gmail.com

G 11

ରହ୍ୟାତାମନ୍ତର

६९६४-महाराष्ट्र

०१)=उन्नीस

$\sigma_0 = \frac{F}{A}$

૬૬૫-તારણ

सम्बन्ध

ରୋ-ପ୍ରକାଶ
ମ୍ୟା-ପ୍ରକାଶ

କଣ୍ଠା-ଫଟି -

1919

~~कुम्हिराता नैरु ली~~

८९१-

~~कुम्हिराता नैरु ली~~

८९२- एहं गतिष्ठ इन्द्रि

(१३)

~~दात्तुरामावस्तुम्~~

८९३-

१- कृष्णो धीरुष्टुम्

~~दृष्टुम्~~

~~कृष्टुम्~~

~~८९४-~~

~~मुकुरव्यग्रम्भाता~~

~~मुकुरव्यग्रम्भाता~~

(१४)

८९५-

~~तावितिरिद्विश्वला~~

~~तावितिरिद्विश्वला~~

८९६- तावितिरिद्विश्वला

~~तावितिरिद्विश्वला~~

८९७- तावितिरिद्विश्वला

~~८९८-~~

~~तावितिरिद्विश्वला~~

८९९-

~~तावितिरिद्विश्वला~~

~~तावितिरिद्विश्वला~~

-१२९ कृष्णो

६८। ईमसि

६९। म। नंगी

७०॥ लंगी

७१। तोधिं

७२। क। ११।

राज्यालीक

७३॥ अ।

७४। ता। धीर

७५। न। नृण

७६। न। नृण

७७। न। नृण

७८। न। नृण

७९। न। नृण

८०। न। नृण

८१। न। नृण

८२। न। नृण

८३। न। नृण

८४। न। नृण

८५। न। नृण

८६। न। नृण

८७। न। नृण

८८। न। नृण

८९। न। नृण

९०। न। नृण

९१। न। नृण

Digitized by srujanika@gmail.com

(N)

(10)

१८५

१५८० अगस्त २०१०

८४॥८॥१५२६॥११०

प्रति वार्षिक विवरण

62117 626411
2A)

1

~~—~~ ~~some~~ ~~one~~

$$= 9196 = 67012 = 96961$$

ଶାଖା ୬୨୯୧୧୩ ୬୨୯ ୬୨୧୧୩

~~781~~ 631196-52-1 = 6311-111
-11126=111 6912111 470A111

$$\cancel{6319} \quad 6319 - 111 = 6962 - 6319 =$$

$$\text{कृष्ण} 631941 - 6A = 63196 = \\ - 6A = 63196 - 631941 = 63196 - 631941 =$$

Mandal, Dhule and the

उत्तरार्थ ६२॥-। ५६२-६२॥-॥=

~~ରାଜା~~ ୫୬୨୮- ୧୯୩୮- ୫୬୨୮-

111169.1659 111169.1659

~~Cal~~ ~~600~~ ~~600~~ ~~600~~ ~~600~~ ~~600~~

3/11/11

• 363 •

ପ୍ରମାଣିତିପାଳ

दीप्तिमण्डलम् अस्ति वै विष्णुगुणम्

1) - 1000 1

କୁନ୍ତମ୍ପୁ ପରମାଣୁଧର୍ମପାଦୀ

१४ द्वयवाचमित्राणि

~~— 14. 2. 2012~~

~~— 18 —~~ 1884-301

—
—
—

४५३

quercus gemmifera

~~গুরুবৰ্ষ~~

E) What is the best way to



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com